कोविड 19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत तक कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021–22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांग

संगीत (वादन)

कक्षा–10

क्र0स0	माह	पाठ्यक्रम
1	मई	**20 मई से ऑन लाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ।** भातखण्डे एवं विष्णुदिगम्बर संगीत लिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन, चुने गए वाद्य की उत्पत्ति और उसका विकास।
2	जून	थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति, हिन्दुस्तानी संगीत के 10 थाटों के नाम एवं उनके स्वरों का ज्ञान, 10 थाटों के आश्रय राग के नामों का ज्ञान। **शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–** सप्तक और उसके प्रकार, टुकड़ा, तिहाई , पेशकारा।
3	जुलाई	स्वर विस्तार की परिभाषा , अलंकार और उसकी उपयोगिता, संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध, अपने वाद्य में बजने वाले वर्ण एवं बोलों का शास्त्रीय अध्ययन । वाद्य के बोलों तथा वर्णों की निकास विधि की सामान्य जानकारी।
4	अगस्त	**शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–** मुर्की, विवादी स्वर, वर्ण, कायदा, परन। वाद्य के समस्त प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रकर अभ्यास पुस्तिका में लगाना तथा वाद्य से सम्बन्धित प्रसिद्ध कलाकारों की सूची तैयार करना। **प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/प्रोजेक्ट कार्य**
5	सितम्बर	राग– राग बिहाग का विस्तृत अध्ययन, जिसके अन्तर्गत राग का पूर्ण परिचय, मसीतख़ानी गत तथा रज़ाख़ानी गत तोड़ों सहित। अपने वाद्य के बोलों एवं वर्णों की निकास विधि का प्रयोगात्मक अभ्यास। ताल– कहरवा, एकताल का पूर्ण परिचय ठाह, दुगुन सहित। तीनताल में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और दो तिहाई लिखने एवं बजाने की योग्यता।
6	अक्टूबर	स्वर विस्तार और अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त। राग– राग काफी में कलात्मक विकास के बिना एक गत। राग काफी का पूर्ण परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़ सहित। ताल– तीनताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, चौगुन सहित हाथ में ताली, खाली सहित पूर्ण प्रायोगिक अभ्यास। तबला/पखावज– चारताल का संपूर्ण परिचय, एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े, और दो तिहाई लिखने एवं बजाने की योग्यता। ताल– कहरवा ताल का पूर्ण परिचय, ठाह , दुगुन का प्रायोगिक अभ्यास। **द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/ प्रोजेक्ट कार्य।**
7	नवम्बर	**परिभाषा एवं व्याख्या–** घसीट, झाला, रागों के समय निर्धारण की जानकारी। राग– राग देश का संपूर्ण परिचय, आरोह , अवरोह पकड़ सहित। राग देश में एक गत (रज़ाख़ानी गत) बिना किसी कलात्मक विकास के लिखित एवं प्रयोगात्मक कार्य। ताल– चारताल में दो टुकड़े एवं एक परन लिखने और बजाने की योग्यता। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन**
8	दिसम्बर	स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने और बढ़त करने की योग्यता। जीवनी– संगीत सम्राट तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर पलुष्कर। ताल– तीव्रा ताल का सामान्य अध्ययन। संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं के नाम तथा उनकी संक्षिप्त जानकारी। अपने वाद्य के किसी प्रसिद्ध वादक कलाकार का संगीत में योगदान।

		तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा/ प्रोजेक्ट कार्य।
9	जनवरी	अपने वाद्य के किसी प्रसिद्ध घराने की सामान्य जानकारी। समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
10	फरवरी	**प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन।** कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उपचारात्मक शिक्षण।
11	मार्च	**बोर्ड परीक्षा का आयोजन।**

कक्षा– 10 में लगभग 30 प्रतिशत हटाया गया पाठ्यक्रम–

खण्ड– (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या– कण, वक्रस्वर, मींड, परन, रेला, सम।

खण्ड– (ख)

1. वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषताएँ।
2. तालों के टुकड़े, परन, आदि लिखने की योग्यता एवं सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत को स्वर लिपिबद्ध करके लिखना।

तबला एवं पखावज– 1.एकताल।
2. दीपचन्दी ताल का साधारण ठेका।

अन्य वाद्य–

1. भैरवी राग में मसीतख़ानी गत तथा रज़ाख़ानी गत।
2. बागेश्री
3. चारताल से भी परिचित होना चाहिए।
4. प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।